फीफा विश्व कप 2026 : पेनल्टी शूटआउट में आस्ट्रेलिया को हराकर मिस्र पहली बार अंतिम-16 में

आर्लिंगटन (टेक्सास)

फीफा विश्व कप 2026 के राउंड आफ 32 में शुक्रवार को मिस्र ने इतिहास रचते हुए आस्ट्रेलिया को पेनल्टी शूटआउट में 4-2 से हराकर पहली बार नाकआउट मुकाबला जीता और अंतिम-16 में जगह बना ली। निर्धारित समय और अतिरिक्त समय तक मुकाबला 1-1 की बराबरी पर रहा, जिसके बाद फैसला पेनल्टी शूटआउट से हुआ।

मिस्र की जीत के नायक होसाम अब्देलमगीद रहे, जिन्होंने निर्णायक पेनल्टी को गोल में बदलकर टीम को यादगार जीत दिलाई। अब अंतिम-16 में मिस्र का सामना मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना से होगा।

सलाह की कप्तानी में ऐतिहासिक जीत - मिस्र के कप्तान मोहम्मद सलाह ने मैच के बाद कहा कि यह उनके जीवन के सबसे यादगार दिनों में से एक है। उन्होंने कहा कि टीम की खुशी से बढ़कर कुछ नहीं हो सकता और इस जीत का आनंद हर मिस्रवासी के साथ साझा करना उनके लिए गर्व की बात है।

मैच का रोमांच - मिस्र ने 13वें मिनट में बढ़त बनाई, जब इमाम अशूर ने हेडर के जरिए गोल दागा।

आस्ट्रेलिया ने 55वें मिनट में बराबरी कर ली, लेकिन यह गोल मिस्र के डिफेंडर मोहम्मद हानी के आत्मघाती गोल की बदौलत आया। हानी इस विश्व कप में दो आत्मघाती गोल करने वाले पहले खिलाड़ी बन गए।

इसके बाद दोनों टीमें अतिरिक्त समय में भी विजयी गोल नहीं कर सकीं और मुकाबला पेनल्टी शूटआउट तक पहुंच गया।

शूटआउट में मिस्र का दबदबा - आस्ट्रेलिया की ओर से हैरी साउटर पहली ही पेनल्टी चूक गए, जबकि 18 वर्षीय लुकास हेरिंगटन की चौथी पेनल्टी क्रासबार से टकरा गई। मिस्र की ओर से महमूद साबेर, रामी राबिया, मोहम्मद सलाह और अंत में होसाम अब्देलमगीद ने पेनल्टी को गोल में बदला और टीम को ऐतिहासिक जीत दिलाई।

आस्ट्रेलिया के लिए केवल जैक्सन इरविन और अवेयर माबिल ही सफल पेनल्टी लगा सके।

आस्ट्रेलिया का नाकआउट में खराब रिकार्ड जारी - यह आस्ट्रेलिया की विश्व कप नाकआउट चरण में लगातार तीसरी हार रही। इससे पहले वह 2006 में इटली और 2022 में अर्जेंटीना से हार चुका था।

न्यूज ब्रीफ

फीफा विश्व कप 2026 : कोलंबिया ने घाना को हराया, प्री-क्वार्टर फाइनल में स्विट्जरलैंड से होगा सामना

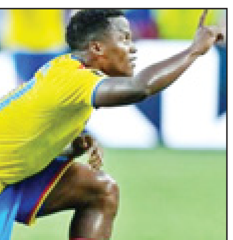

कैनसस सिटी। जोन एरियास के शुरुआती गोल की बदौलत कोलंबिया ने फीफा विश्व कप 2026 के राउंड आफ 32 मुकाबले में शनिवार को घाना को 1-0 से हराकर अंतिम-16 (प्री-क्वार्टर फाइनल) में जगह बना ली। इस जीत के साथ कोलंबिया अब 8 जुलाई को वैंकूवर में स्विट्ज़रलैंड का सामना करेगा। मुकाबले का एकमात्र गोल 14वें मिनट में जोन एरियास ने किया। उन्होंने लुइस सुआरेज़ के सटीक क्रास पर नजदीक से शानदार फिनिश करते हुए टीम को बढ़त दिलाई। सुआरेज़ मैदान पर घायल जोन कार्डोबा की जगह बतौर स्थानापन्न उतरने के कुछ ही क्षण बाद इस गोल की भूमिका निभाने में सफल रहे। दूसरे हाफ में कोलंबिया ने अपनी बढ़त दोगुनी करने का भी मौका बनाया। 56वें मिनट में लुइस डियाज़ ने गेंद को जाल में पहुंचाया, लेकिन वीडियो सहायक रेफरी (वीएआर) की समीक्षा के बाद उन्हें आफसाइड करार दिया गया और गोल रद्द कर दिया गया। पूरे मुकाबले में कोलंबिया का दबदबा देखने को मिला। हालांकि घाना के गोलकीपर लारेंस अती ज़िगी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कम से कम तीन बेहतरीन बचाव किए और टीम को बड़े अंतर से हारने से बचाया। कोलंबिया ने अंत तक अपनी बढ़त बरकरार रखी और जीत के साथ विश्व कप के अंतिम-16 में प्रवेश कर लिया, जहां उसका मुकाबला स्विट्ज़रलैंड से होगा।

इस दिग्गज स्पिनर की प्रेम कहानी है फिल्मी

चंड़ीगढ़। भारतीय क्रिकेट के दिग्गज आफ स्पिनर हरभजन सिंह का जीवन उतार-चढ़ाव से भरा रहा है। मैदान पर अपनी जादुई स्पिन से दुनिया के बड़े-बड़े बल्लेबाजों के होश उड़ाने वाले भज्जी जब खुद प्यार के जाल में फंसे, तो उनकी जिंदगी की सबसे खूबसूरत पारी की शुरुआत हुई। यह कहानी है हौसलों की उड़ान, मैदान के आक्रामक तेवरों और फिर पहली ही नजर में बालीवुड की एक हसीना पर क्लीन बोल्ड हो जाने की। हरभजन की प्रेम कहानी पूरी तरह से फिल्मी और लव एट फर्स्ट साइट का बेहतरीन उदाहरण है। बात उन दिनों की है जब भज्जी लंदन में थे। एक दिन उन्होंने टीवी पर फिल्म द ट्रेन का सुपरहिट गाना वो अजनबी देखा। गाने में नजर आ रही अभिनेत्री गीता बसरा की खूबसूरती पर भज्जी इस कदर फिदा हुए कि उन्होंने तुरंत ठान लिया कि वे इस लड़की से मिलकर रहेंगे। उन्होंने अपने खास दोस्त और साथी क्रिकेटर युवराज सिंह को फोन मिलाया और गीता के बारे में पूछताछ की। आखिरकार, बालीवुड के गलियारों में अपने संपर्कों का इस्तेमाल कर भज्जी गीता का फोन नंबर हासिल करने में कामयाब रहे। नंबर मिलते ही उन्होंने गीता को मैसेज कर काफी पीने का न्योता दे दिया पर ब्रिटेन के पोर्ट्समाउथ में जन्मीं गीता ने शुरुआत में इस स्टार क्रिकेटर को कोई खास भाव नहीं दिया और उनके मैसेज का कोई जवाब नहीं आया।

जोकोविच ने फेडरर के 105 विंबलडन जीत के रिकार्ड की बराबरी की, चौथे दौर में पहुंचे

लंदन। सात बार के चैंपियन सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने विंबलडन 2026 में एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए रोजर फेडरर के 105 जीत के रिकार्ड की बराबरी कर ली। तीसरे दौर में उन्होंने शुक्रवार को फ्रांस के आर्थर रिंदरकनेश को 7-5, 6-4, 1-6, 7-6 (7-4) से हराकर चौथे दौर में जगह बनाई। 39 वर्षीय जोकोविच अब फेडरर के पुरुष एकल में आठ विंबलडन खिताब के रिकार्ड की बराबरी करने की दिशा में एक कदम और आगे बढ़ गए हैं। सेंटर कोर्ट पर खेले गए मुकाबले में जोकोविच ने शुरुआती दो सेट शानदार अंदाज में अपने नाम किए, लेकिन तीसरे सेट में रिंदरकनेश ने दमदार वापसी करते हुए उन्हें 6-1 से हराकर मैच को रोमांचक बना दिया। फ्रांसीसी खिलाड़ी ने अपनी तेज सर्विस और आक्रामक खेल से चौथे सेट में भी जोकोविच को कड़ी चुनौती दी। हालांकि टाईब्रेक में अनुभवी सर्बियाई खिलाड़ी ने बेहतरीन संयम दिखाया और बिना कोई गलती किए मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ जोकोविच ने विंबलडन में 105वीं जीत दर्ज की और रोजर फेडरर के रिकार्ड की बराबरी कर ली। अब चौथे दौर में उनका सामना रूस के क्वालीफायर रोमन साफियुलिन से होगा। यदि जोकोविच यह मुकाबला जीतते हैं तो वह विंबलडन में सर्वाधिक मैच जीतने वाले खिलाड़ियों की सूची में फेडरर को पीछे छोड़कर दूसरे स्थान पर पहुंच जाएंगे।

विश्व कप, एशियाई खेलों से पहले लय में लौटी भारतीय हाकी टीम, यूरोप में दमदार प्रदर्शन से बढ़ा आत्मविश्वास

नई दिल्ली

भारतीय पुरुष हाकी टीम ने एफआईएच प्रो लीग 2025-26 का समापन शानदार प्रदर्शन के साथ किया। टीम ने यूरोपीय चरण में मौजूदा विश्व चैंपियन जर्मनी और पेरिस ओलंपिक 2024 की स्वर्ण पदक विजेता नीदरलैंड को हराया, जबकि दुनिया की तीसरे नंबर की टीम इंग्लैंड के खिलाफ दोनों मुकाबलों में कड़ी टक्कर दी। इन प्रदर्शनों ने यह संकेत दिया कि भारतीय टीम विश्व कप और एशियाई खेलों जैसे बड़े टूर्नामेंट से पहले सही समय पर अपनी सर्वश्रेष्ठ लय हासिल कर रही है।

भारतीय टीम का यह सफर तीन अलग-अलग चरणों में आगे बढ़ा। राउरकेला में खेले गए घरेलू चरण में भारत को बेल्जियम और अर्जेंटीना के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद टीम ने अपनी कमजोरियों पर काम किया और होबार्ट चरण में सुधार के स्पष्ट संकेत दिए।

होबार्ट में भारत ने शुरुआत स्पेन के खिलाफ 0-2 की हार से की, लेकिन इसके बाद आस्ट्रेलिया के खिलाफ 2-2 और स्पेन के खिलाफ 1-1 से ड्रा खेला। हालांकि दोनों मुकाबलों के शूटआउट में भारत को हार मिली। अंतिम मुकाबले में भारत ने आस्ट्रेलिया के खिलाफ 1-1 की बराबरी के बाद शूटआउट 3-1 से जीतकर आत्मविश्वास हासिल किया।

होबार्ट चरण में भारतीय रक्षा पंक्ति ने खासा प्रभाव छोड़ा। चार मुकाबलों में टीम ने केवल छह गोल खाए, जिनमें तीन पेनल्टी कार्नर और तीन फील्ड गोल शामिल थे। वहीं आक्रमण में भी सुधार देखने को मिला, जहां टीम ने दो फील्ड गोल और दो पेनल्टी कार्नर गोल किए।

जून में यूरोप चरण शुरू होने तक भारतीय टीम का प्रदर्शन लगातार बेहतर होता गया। राटरडैम में भारत ने जर्मनी को

3-1 और नीदरलैंड को 3-2 से हराकर टूर्नामेंट के सबसे यादगार नतीजे दर्ज किए। दुनिया की दो मजबूत रक्षात्मक टीमों के खिलाफ भारत ने चार मैचों में नौ गोल किए, जिनमें पांच फील्ड गोल और चार पेनल्टी कार्नर शामिल रहे। इससे यह भी स्पष्ट हुआ कि भारतीय टीम अब केवल पेनल्टी कार्नर पर निर्भर नहीं है, बल्कि खुले खेल में भी लगातार मौके बनाकर गोल करने में सफल हो रही है।

लंदन चरण में भी भारत का शानदार प्रदर्शन जारी रहा। पाकिस्तान और इंग्लैंड के खिलाफ खेले गए चारों मुकाबलों में भारत निर्धारित समय में अपराजित रहा। टीम ने पाकिस्तान के खिलाफ दोनों मैच जीते, जिनमें एक मुकाबले में 7-1 की बड़ी जीत दर्ज की। इंग्लैंड के खिलाफ दोनों मैच ड्रा रहे, जिनमें से एक शूटआउट भारत ने अपने नाम किया।

लंदन चरण में भारत ने चार मैचों में कुल 13 गोल किए। इनमें सात फील्ड गोल, पांच पेनल्टी कार्नर और एक पेनल्टी स्ट्रोक से आया। वहीं रक्षा पंक्ति ने केवल छह गोल खाए, जिनमें सिर्फ एक फील्ड गोल था।

यूरोपीय चरण में भारत के लिए सबसे अधिक चार-चार गोल दिलप्रीत सिंह और जुगराज सिंह ने किए। अभिषेक, सुखजीत सिंह और नीलकांत शर्मा ने तीन-तीन गोल किए। कई खिलाड़ियों का गोल करना इस बात का संकेत है कि टीम का आक्रमण अब पहले से अधिक संतुलित और मजबूत हो चुका है।

भारतीय टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने हाकी इंडिया के हवाले से कहा, इस प्रो लीग अभियान की सबसे बड़ी उपलब्धि टीम का बढ़ता आत्मविश्वास रहा। जर्मनी और नीदरलैंड जैसी टीमों को हराना और इंग्लैंड के खिलाफ शानदार प्रदर्शन यह साबित करता है कि यदि हम अपनी रणनीति पर अमल करें तो दुनिया की किसी भी टीम को चुनौती दे सकते हैं। विश्व कप और एशियाई खेलों से पहले यह हमारे लिए बेहद सकारात्मक संकेत है। हालांकि हमें अभी भी अपने प्रदर्शन में और निरंतरता लानी होगी।

उन्होंने आगे कहा कि टीम मानसिक रूप से भी पहले से अधिक मजबूत हुई है।

उन्होंने कहा, खिलाड़ियों ने दबाव की परिस्थितियों में संयम बनाए रखा, अलग-अलग शैली की टीमों के खिलाफ खुद को ढाला और करीबी मुकाबलों में जीत हासिल की। यही अनुभव विश्व कप और एशियाई खेलों में हमारे काम आएगा।

कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा - इस प्रो लीग अभियान ने हमें काफी आत्मविश्वास दिया है क्योंकि हमने दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया। बड़ी टीमों को हराना हमेशा विशेष होता है, लेकिन इससे भी ज्यादा अहम यह है कि हमारी मेहनत रंग ला रही है। हम इस आत्मविश्वास को विश्व कप और एशियाई खेलों में भी बनाए रखना चाहते हैं। हरमनप्रीत ने कहा कि टीम के हर विभाग ने अच्छा प्रदर्शन किया। हमारी रक्षा मजबूत रही, मिडफील्ड ने खेल को नियंत्रित किया और फारवर्ड खिलाड़ियों ने लगातार मौके बनाकर फील्ड गोल किए। टीम का संतुलित प्रदर्शन हमें आत्मविश्वास देता है, हालांकि अभी भी कई क्षेत्रों में सुधार की गुंजाइश है। हालांकि अंतिम अंकतालिका भारतीय टीम के पूरे प्रदर्शन को पूरी तरह नहीं दर्शाती, लेकिन प्रो लीग के दौरान टीम ने जिस तरह लगातार सुधार किया, उसने यह साबित कर दिया कि भारत बड़े टूर्नामेंटों से पहले सही समय पर अपनी सर्वश्रेष्ठ लय हासिल कर रहा है।

पूर्व विश्व चैंपियन व्लादिमीर क्रामनिक पर फिडे की बड़ी कार्रवाई लगाया दो साल का प्रतिबंध

नई दिल्ली

विश्व शतरंज महासंघ (फिडे) की एथिक्स एंड डिसिप्लिनरी कमीशन (ईडीसी) ने पूर्व विश्व चैंपियन व्लादिमीर क्रामनिक पर अनुशासनात्मक कार्रवाई करते हुए दो वर्ष का प्रतिबंध लगा दिया है। हालांकि, इसमें से अंतिम एक वर्ष का प्रतिबंध तीन वर्ष की परिवीक्षा (प्रोबेशन) अवधि के लिए निलंबित रहेगा। ऐसे में यदि क्रामनिक प्रोबेशन के दौरान किसी नए उल्लंघन के दोषी नहीं पाए जाते हैं, तो उन्हें केवल एक वर्ष का सक्रिय प्रतिबंध झेलना होगा।

यह मामला फिडे प्रबंधन बोर्ड और फिडे फेयर प्ले आयोग द्वारा दायर शिकायतों के बाद शुरू हुआ था। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि क्रामनिक ने सोशल मीडिया और सार्वजनिक मंचों पर ग्रैंडमास्टर डेविड नवारा, दिवंगत ग्रैंडमास्टर डेनियल नारोडिट्स्की सहित कई खिलाड़ियों पर बिना पर्याप्त आधार के सार्वजनिक रूप से चीटिंग के आरोप लगाए। फिडे की ईडीसी ने सभी पक्षों की दलीलों और साक्ष्यों की समीक्षा के बाद क्रामनिक को फिडे एथिक्स कोड और डिसिप्लिनरी कोड के कई प्रावधानों का उल्लंघन करने का दोषी पाया। आयोग ने माना कि उनके आचरण ने खिलाड़ियों की गरिमा, सम्मानजनक व्यवहार, साइबर बुलिंग, मानसिक उत्पीड़न, आदर्श खिलाड़ी की जिम्मेदारी तथा फेयर प्ले आयोग की जांच में सहयोग न करने जैसे नियमों का उल्लंघन किया। साथ ही उन पर बिना पर्याप्त प्रमाण के सार्वजनिक आरोप लगाने का भी दोष सिद्ध हुआ। हालांकि, आयोग ने ईमानदारी, जवाबदेही और फिडे की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने से जुड़े कुछ अन्य आरोपों को पर्याप्त साक्ष्य के अभाव में खारिज कर दिया। अपने फैसले में ईडीसी ने कहा कि शतरंज में चीटिंग के खिलाफ कार्रवाई फिडे की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है, लेकिन ऐसे आरोप केवल फिडे की गोपनीय जांच प्रक्रिया और पर्याप्त साक्ष्यों के आधार पर ही लगाए जाने चाहिए। बिना संस्थागत पुष्टि के किसी खिलाड़ी पर सार्वजनिक रूप से संदेह जताना उसकी प्रतिष्ठा और मानसिक स्थिति को नुकसान पहुंचा सकता है।

द्रविड़ के बेटे ने भारतीय अंडर-19 टीम से डेब्यू किया

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान राहुल द्रविड़ के बेटे अन्वय द्रविड़ ने भारत की अंडर-19 टीम की ओर से डेब्यू किया है। अन्वय को श्रीलंका अंडर-19 के खिलाफ हुए एक अहम मुकाबले में अंतिम ग्यारह में शामिल किया गया है। इससे उनके उनके करियर का एक नय अध्याय शुरु हुआ। अन्वय एक विकेटकीपर-बल्लेबाज के हैं! पिछले कुछ समय से अन्वय ने जूनियर स्तर पर शानदार प्रदर्शन करते हुए अंडर-19 टीम में जगह बनायी है। अन्वय पर राहुल द्रविड के पुत्र होने के कारण उम्मीदों का बोझ था जिसमें वह खरे उतरे। द्रविड़ ने हमेशा अपने बच्चों को अपनी पहचान बनाने और अपने जुनून का पालन करने की आजाद दी है। है। उन्होंने सार्वजनिक रूप से कभी भी अपने बेटों पर क्रिकेट में करियर बनाने का दबाव नहीं डाला, बल्कि उन्हें स्वाभाविक रूप से विकसित होने दिया। अन्वय का यह चयन उनकी अपनी कड़ी मेहनत, प्रतिभा और समर्पण का परिणाम है, न कि उनके उपनाम का। यह दिखाता है कि उन्होंने अपने दम पर यह मुकाम हासिल किया है, और उन्हें द्रविड़ का बेटा होने के बजाय एक उभरते हुए क्रिकेटर के रूप में देखा जाना चाहिए। गौरतलब है कि अंडर-19 स्तर भारतीय क्रिकेट के भविष्य के सितारों के लिए एक महत्वपूर्ण सीढ़ी है।

फीफा विश्व कप 2026 : मेक्सिको-इंग्लैंड प्री-क्वार्टर फाइनल तय समय पर

मेक्सिको सिटी

फीफा विश्व कप 2026 के राउंड आफ 16 में रविवार को मेक्सिको और इंग्लैंड के बीच होने वाला मुकाबला तय समय पर ही खेला जाएगा।

रिपोर्ट के अनुसार, मेक्सिको सिटी में दोपहर बाद गरज-चमक के साथ भारी बारिश और संभावित बाढ़ की आशंका के चलते मैच का समय पहले करने पर विचार किया गया था, लेकिन अंततः फीफा ने निर्धारित समय पर ही मुकाबला कराने का फैसला किया।

फीफा मौसम और संभावित जलभराव की स्थिति को देखते हुए मैच का समय बदलने पर विचार कर रहा था। हालांकि, बाद में इस प्रस्ताव को खारिज कर दिया गया। फीफा की आधिकारिक वेबसाइट पर भी इस मैच के समय में कोई बदलाव दर्ज नहीं है।

मेक्सिको के मुख्य कोच जावियर एग्विरे ने संभावित बदलाव का कड़ा विरोध किया था। उन्होंने मेक्सिको के रेडियो स्टेशन रेडियो फार्मूला से बातचीत में कहा, यह पेट पर लात मारने जैसा है। हमें अपनी पूरी योजना बदलनी पड़ती। छह घंटे की तैयारी बेकार हो जाती। मुझे यह बिल्कुल पसंद नहीं है। फीफा जो फैसला करेगा, हम उसका सम्मान करेंगे, लेकिन न मैं और न ही मेरे खिलाड़ी इससे खुश हैं।

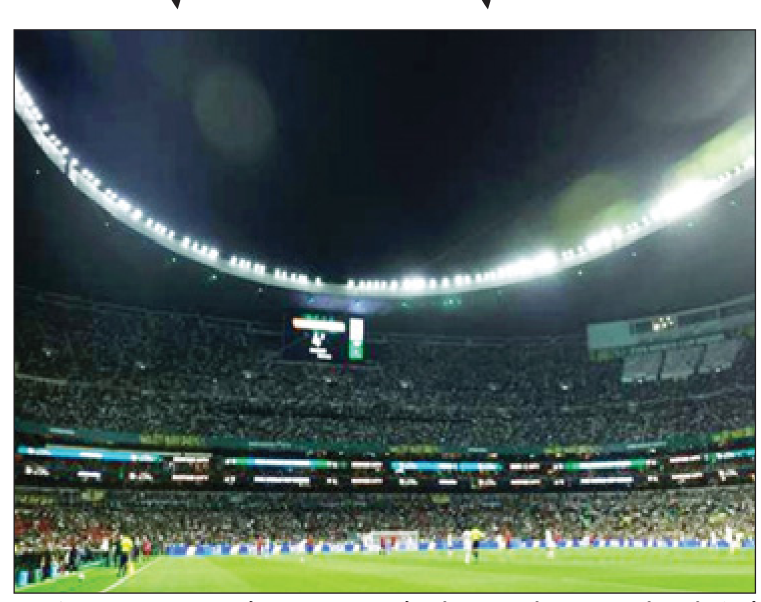

यदि समय बदला जाता तो इसका असर इंग्लैंड की तैयारियों पर भी पड़ता। इंग्लैंड की टीम शुक्रवार देर रात मेक्सिको पहुंचेगी और शनिवार को यूनाम पुमास प्रशिक्षण केंद्र में अभ्यास करेगी। ऐसे में खिलाड़ियों को मेक्सिको सिटी की ऊंचाई के अनुरूप खुद को ढालने के लिए और भी कम समय मिलता।

गौरतलब है कि एज़्टेका स्टेडियम समुद्र तल से करीब 2,200 मीटर (7,300 फीट) की ऊंचाई पर स्थित है। खेल विज्ञान विशेषज्ञों के अनुसार, इतनी ऊंचाई पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए खिलाड़ियों को पर्याप्त समय तक अनुकूलन की आवश्यकता होती है।

यह मुकाबला विश्व कप 2026 के दौरान मेक्सिको सिटी में आयोजित होने वाला पांचवां और अंतिम मैच होगा।

फीफा विश्व कप से बाहर होकर भी हीरो बना केप वर्डे, संघर्ष और साहस की लिखी अविस्मरणीय गाथा

मियामी

फीफा विश्व कप 2026 के राउंड आफ 16 में मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना के खिलाफ रोमांचक मुकाबले में हार के बावजूद केप वर्डे ने दुनिया को यह संदेश दिया कि जज़्बा और आत्मविश्वास के दम पर छोटे देश भी फुटबाल की सबसे बड़ी ताकतों को चुनौती दे सकते हैं।

महज पांच लाख से कुछ अधिक आबादी वाले अफ्रीका के पश्चिमी तट के छोटे द्वीपीय देश केप वर्डे ने विश्व चैंपियन अर्जेंटीना को अतिरिक्त समय तक कड़ी टक्कर दी।

आखिरकार 111वें मिनट में डिने बोर्गेस के आत्मघाती गोल की बदौलत अर्जेंटीना ने 3-2 से जीत दर्ज की।

मैच के बाद केप वर्डे के डिफेंडर पिको लोप्स ने कहा कि उनकी टीम ने दुनिया को दिखा दिया है कि छोटे देशों के लिए भी कुछ असंभव नहीं है।

उन्होंने पत्रकारों से कहा, हम यह दिखाना चाहते थे कि छोटे देश भी बड़े सपने देख सकते हैं।

अगर दिल बड़ा हो और विश्वास मजबूत हो, तो कुछ भी संभव है। उम्मीद है कि हमारी टीम ने केप वर्डे के युवा खिलाड़ियों को प्रेरित किया होगा। हमने साबित किया है कि दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों के खिलाफ भी मुकाबला किया जा सकता है।

गोलकीपर वोजिन्हा बने विश्व कप के स्टार

40 वर्षीय गोलकीपर वोजिन्हा विश्व कप के सबसे चर्चित खिलाड़ियों में शामिल रहे। स्पेन के खिलाफ पहले मैच में उनके शानदार प्रदर्शन के बाद सोशल मीडिया पर उनके फालोअर्स की संख्या करीब 50 हजार से बढ़कर 1.9 करोड़ से अधिक हो गई।

उन्होंने कहा, विश्व कप में खेलना हमारे पूरे देश का सपना था। हम अगले दौर में पहुंचना चाहते थे, लेकिन हमें अपने प्रदर्शन पर गर्व है। हमने विश्व चैंपियन के खिलाफ पूरी ताकत से मुकाबला किया और सिर ऊंचा रखकर मैदान से लौट रहे हैं।

दो बार की बराबरी, अंत तक लड़ाई - लियोनेल मेसी के शानदार गोल से पिछड़ने के बाद भी केप वर्डे ने हार नहीं मानी। डेराय डुआर्टे ने दूसरे हाफ में बराबरी का गोल कर मैच को अतिरिक्त समय तक पहुंचाया।

इसके बाद अर्जेंटीना के लिए लिसांद्रो मार्टिनेज ने फिर बढ़त दिलाई, लेकिन सिडनी लोप्स कैब्रल के शानदार गोल ने एक बार फिर मुकाबला बराबरी पर ला दिया। आखिरकार डिने बोर्गेस का आत्मघाती गोल केप वर्डे के सपनों को तोड़ गया।

अब दुनिया केप वर्डे को जानती है - आयरलैंड के क्लब शैमराक रोवर्स से खेलने वाले पिको लोप्स ने कहा कि इस विश्व कप ने केप वर्डे को वैश्विक पहचान दिलाई है। उन्होंने कहा, जब हमने विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया था, तब हमारा लक्ष्य दुनिया को यह दिखाना था कि हम यहां खेलने के हकदार हैं। अब किसी को यह पूछने की जरूरत नहीं पड़ेगी कि केप वर्डे कहां है। दुनिया अब हमारे देश और हमारी टीम को जानती है।